

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION Co. Ltd.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820
O/o Chief Engineer (Sub-station), Raipur Address-Shed No.-04, Danganiya, Raipur-492013
Website-www.cspc.co.in, E-Mail-CE.TnC@cspc.co.in, Phone-0771-2574256, Fax No.-0771-2574267
No. 02-07/Tender/P-1974/770 Raipur, Dtd. 05/10/2026

NOTICE INVITING TENDER (Through E-bidding module of SAP-SRM)

Tenders are invited from eligible bidders for supply of following materials:-

S. No.	Particulars	Qty.	Earnest Money	Last date/ time for submission of tender
1.	Supply of CT junction box with 32 terminals for various EHV S/s under CE(S/s) CSPSTCL, Raipur.	139 Nos.	7,000/-	27/10/2026 14:00 Hrs.

NOTE :-(1)Other terms & condition details etc. regarding tender can be seen on our website www.cspc.co.in

SAVE ELECTRICITY | SAMVAD - 49301/3

Chief Engineer (Sub-Station)
CSPSTCL: Raipur(C.G.)



 **कार्यालय नगर पालिक निगम**
रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगल कमप्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmcezone7@gmail.com
Phone क्र./356360। न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 06-06-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 356360

बार्ड का नाम- 23- सहोदर सुमोहन सिंह खखरी बार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि
वार्ड 23 स्थायी प्लान निसका प्रपर्टी
आइ.डी. RSPR412F0284B जो की
निगम अभिलेख श्री/श्रीमती 1 अशोक
कुमार बजाज 2 रोहित कुमार बजाज
पिता/पति, श्री/श्रीमती लालचंद बजाज के
नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती सरोज
देवी बजाज पिता/पति, श्री श्रीराज
जगदीश कुमार बजाज ने सत्य प्रमाण पत्र,
सह पत्र, शपथ पत्र, नक्शा पत्र, हिब्बताना,
रजिस्ट्री विलेख के अनुसार पंजीकृत हक
त्याग विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख
द्वारा प्राप्त नगर पालिका निगम अधिनियम
1956 की धारा 167 के तहत दावा आवेदन
किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त
स्थायित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं,
प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण
क्रमांक सहित लिखावट में अपना
दावा/प्रस्तुत करें। निष्पाति समवाय/वि
पश्चात प्राप्त दावा/आपति पर किसी प्रकार
की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए
यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

—सूचना जारी कर—

डॉ. तुषि पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

 **कार्यालय नगर पालिक निगम
रायपुर (जोन क्र.-9)**
पुलिस थाना के पास, दुर्ग कोलीनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र./35824/न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 03-10-2026

इशतिहार

नामांता प्र.क्र. 35824
वाई का नं.9-प. मोतीलाल नेहरू वाई
एवंद द्वारा प्रेषित किया जाता है कि वाई 9
रिपट भवन/पाथिस जिसका प्रॉपर्टी आई.डी.
RSTR227V00453 जो की नगम अभिलेख
श्री/श्रीमती **VASUDEV JURANI** पिता/पति,
श्री/श्रीमती **KESHAV LAL JURANI** के नाम
से हुई है, जिसको श्री/श्रीमती ने **नगमा जुरानी 2**
मिम्मा जुरानी 3 मुक्कान मनसूखानी
पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्वर्गीय वासुदेव जुरानी** ने
मृत्यु प्रमाण पत्र, सस पत्र, वास्तव पत्र, दान पत्र,
हिस्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/
MRUTYU PRAMAN PATRA
SHAPATH PATRA DED
CERTIFICATE / वंशानुक्रम/ अन्य
उपरोक्त प्रमाणों परिलक्षित में एक या दवावा रहे हैं,
प्रकाश के 15 दिन के भीतर प्रत्येक क्रम में
सहित लिखित में अपना दावा/प्रत्युत करें।
निर्धारित समयबाधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर
किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी।
जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं
होगा।

—सूचना जारी करें—
श्री/श्रीमती शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

 **कार्यालय नगर पालिक निगम**
रायपुर (जोन क्रै - 6)
आई एस सी टी. वतुथ तल, राणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्र./36013/न.पा.नि./जोन क्रै. 6/2026
रायपुर दिनांक : 06-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36013
वार्ड का नाम - 62 शहीद राजीव पांडे वार्ड
का एतद्वारा सूचित किया जाता है कि 62
स्वित्त भवन भूमि जिसका प्रताई-आई.डी. -
RPR654J00098 को निगम अभिलेख
में श्री/श्रीमती **AKHATAR JAHAN**
पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASLAM** के नाम से
दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RESHMA**
PARVIN पिता/पति श्री/श्रीमती **SHEHMA**
JAVED ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ
पत्र, दान पत्र, हिज्जानामा, रजिस्ट्री विलेख के
अनुसार **BATWARANAMA** / अन्य
अभिलेख द्वारा प्राप्य नगर पालिक निगम
अर्धिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा
आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था
उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में कदम या दावा
प्रस्तुत करें, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर
प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना
दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयवाधि पर प्रपत्ता
पत्र दावा/आपत्ति पर जिसके प्रकार को सुनवाई
नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय
जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी कर
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन काफिरन)
जोन क्रै. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

विश्व परिवार



संपादकीय पीएम-सेतु: भारत के आईटीआई में बदलाव का एक वर्ष

ट्रंप की बेबाकी काबिल-ए-गौर

ट्रंप की सोच शायद यह है कि जिसके पास शक्ति है, उसका सम्मान होना चाहिए। इस सोच का ही दूसरा पक्ष है कि जो कमजोर है, उससे इस बात की कीमत अवश्य वसूली जानी चाहिए। डॉनल्ड ट्रंप की बेबाकी काविल-ए-गोर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- 'बीते जनवरी में मेरे निर्देश पर अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की राजधानी के अंदर तक जाकर जबरदस्त सैन्य कार्रवाई की। यह यह युद्ध था। (पराजित पक्ष) का सारा माल विजेता का हो जाता है।' इसके पहले कह चुके थे कि पिछले बीसही अमेरिका ने वेनेजुएला के साथ 'इतिहास का सबसे बड़ा तेल सौदा' किया। विश्लेषकों ने इस बयान को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया है। वैसे ट्रंप ने अपने भाषण में ईरान और क्यूबा को लेकर भी धमकी भरी ऐसी बातें कहीं, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर की विभिन्न धाराओं की धज्जी उड़ाती मालूम पड़तीं। संयुक्त राष्ट्र के मंच पर जाकर इस विश्व संस्था की बेकद्री करने की ऐसी मिसाल इसके पहले शायद ही मिलेगी! लेकिन यही ट्रंप की पहचान है। वे खुद को और अमेरिका को किसी नियम-कायदे, संधि और मर्यादा से बंधा नहीं मानते। संभवतः वे सिर्फ एक सिद्धांत जानते हैं- और वह है शक्ति। यानी जिसके पास ताकत है, वही आदरणीय है। और इसकी ताजा मिसाल उन्होंने शी जिनिपिंग के स्वागत के लिए सबसे अलग किस्म की 'लाल कालीन बिछा कर' पेश की है। चीन के राष्ट्रपति की अमेरिका यात्रा (23-25 सितंबर) के दौरान ट्रंप ने प्रोटोकॉल से आगे जाकर स्वागत करने और चमकदार, भव्य आयोजनों का जो कार्यक्रम बनाया है, उसे देख कर शायद चीनी विश्लेषक भी हैरत में पड़ेंगे! जब अमेरिका और चीन की होड़ भू-राजनीति के सारे समीकरणों के केंद्र में है, ट्रंप के शी के प्रति इस झुकाव का तर्क अमेरिकियों को भी समझ में नहीं आया है। इसकी तुलना सिर्फ चार महीने पहले ट्रंप की हुई बीजिंग यात्रा से की गई है, जब चीन ने प्रोटोकॉल के अनुरूप ही उनका स्वागत किया था। वैसे, ट्रंप- शी की द्विपक्षीय आधिकारिक वार्ता से ज्यादा कुछ हासिल होगा, इसकी संभावनाएं भी कम ही हैं। मगर ट्रंप की सोच शायद यह है कि जिसके पास शक्ति है, उसका सम्मान होना चाहिए। इस सोच का ही दूसरा पक्ष है कि जिसके पास ताकत नहीं है, उससे इस बात की कीमत अवश्य वसूली जानी चाहिए!

आलेख

सेवा की कहानी : स्वच्छता से संवर रहा शहर, आत्मनिर्भर बन रहा परिवार



श्रीमती प्रतिमा टोप्पो ने कचरा संग्रहण को बनाया रोजगार का जरिया, हर माह 12 से 15 हजार रुपये की आय

कलेक्टर अभिजीत सिंह

स्वच्छता केवल शहरों को साफ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि आज यह अनेक परिधारनों के लिए सम्मानजनक रोजगार और आत्मनिर्भरता का आधार भी बन रही है। बलरामपुर की श्रीमती प्रतिमा टोप्यो की कहानी इसका प्रेरक उदाहरण है। स्वच्छाग्रही के रूप में काय करतें हुए वे घर-घर से कचरा एकत्र करती हैं, उसका पृथक्करण करती हैं और पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करती हैं। स्वच्छता से जुड़ी इस सेवा ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रीमती प्रतिमा टोप्यो प्रतिदिन रिशे से घर-घर पहुँचकर कचरा संग्रहण करती हैं। एकजित कचरे को संग्रीहणण शेड त्त पहुँचाने के बाद वे उपयोगी एवं पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को अलग करती हैं। इस सामग्री को बिक्री से उन्हें अतिरिक्त आमदनी प्राप्त होती है। उन्हें स्वच्छता कार्य के लिए लगभग 8 हजार रुपये मासिक मानदेय मिलाता है, जबकि पुनर्चक्रण योग्य सामग्री की बिक्री से 4 से 5 हजार रुपये प्रतिमाह अतिरिक्त आय हो जाती है। इस प्रकार वे हर माह लगभग 12 से 15 हजार रुपये तक अर्जित कर रही हैं।

रोजगार से बढ़ा आत्मविश्वास,
परिवार को मिला आर्थिक संबल

श्रीमती प्रतिभा टोप्यो बताती हैं कि पहले परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई होती थी। स्वच्छता कार्य से जुड़ने के बाद अब वे परिवार के राशन और अन्य जरूरी खर्चों में आर्थिक सहयोग कर पा रही हैं। अपने श्रम से होने वाली आय ने उनमें आत्मविश्वास बढ़ाया है और उन्हें अपने परिवार के लिए आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनाया है। उनके लिए स्वच्छता का यह कार्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि सम्मान के साथ आत्मनिर्भर बनने का अवसर है। वे जिस तरह नियमित रूप से अपने दायित्व का निर्वहन कर रही हैं, वह स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और श्रम की गरिमा का ही उदाहरण है।

स्वच्छता अभियान से आजीविका
और आत्मनिर्भरता को नई दिशा

श्रीमती प्रतिमा टोप्यो की यह कहानी बताती है कि स्वच्छता अभियान का प्रभाव केवल साफ-सुथरे शहर और मोहल्लों तक सीमित नहीं है। कचरे के उचित संग्रहण, पृथक्करण और पुनर्चक्रण से आजीविका के अवसर भी तैयार हो रहे हैं। विशेष रूप से महिलाएं स्वच्छता गतिविधियों से जुड़कर अपने परिवार की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रही हैं।

विचार-पक्ष

रायपुर, बुधवार 07 अक्टूबर 2026

पीएम-सेतु का उद्देश्य हब-एंड-स्पोक मॉडल और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण के माध्यम से 1,000 सरकारी आईटीआई का अत्याधुनिकरण करना है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय उष्णकटिबंधीय के माध्यम से पांच राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) की क्षमता बढ़ाने का भी प्रावधान है। रणनीतिक निवेश योजनाओं, विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) और एंकर इंडस्ट्री पार्टनर्स के माध्यम से उद्योग की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इस योजना में उपभरती प्रशिक्षणकियों और व्यवसायों से संबन्धित नए दौर के पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। चर्यानि एनएसटीआई में उन्नत कौशल प्रशिक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय साहोदरारियों की सहयोग प्रदान कर रही हैं। राज्य स्तरीय संचालन समितियों और उद्योग की भागीदारी के माध्यम से राय्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके कार्य-व्यवहन का भी विस्तार किया गया है। एक वर्ष की प्रगति के तहत 850 आईटीआई की पहचान और 14 आईटीआई क्लस्टरों को मंजूरी शामिल है। प्रस्तावित कौशल प्रयोगशालाएं छात्रों को व्यवसायिक प्रशिक्षण और कौशल के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव के अवसरों को और बढ़ाएंगी।

कुशल कार्यबल के लिए आईटीआई में बदलाव- भारत के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) देश के व्यावसायिक प्रशिक्षण तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये युवाओं को रोजगार और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक कोशल प्रदान करते हैं। जैसे-जैसे कार्यबल की आवश्यकताएं बदल रही हैं, वैसे-वैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और उद्योगोन्मुखी स्वरूप को मजबूत करना अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इसी पृष्ठभूमि में, पीएम-सेतु (प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी) ट्रांसफॉर्मेशन ध्रुव अपरोडेड आईटीआई बिल 4 अक्टूबर 2025 को शुरु किया गया। यह योजना सरकारी आईटीआई को आधुनिक और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण संस्थानों में परिवर्तित करके व्यावसायिक प्रशिक्षण की समग्र गुणवत्ता और प्रासंगिकता को बढ़ाती है। इस पहल का उद्देश्य उद्योग-नेतृत्व वाले शासन को मजबूत करना, प्रशिक्षण अवसरंचना का अग्रयन करना और कार्यबल की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप मांग-आधारित पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना है। योजना का कुल परिचय 60,000 करोड़ है, जिसमें केन्द्र सरकार का और से 30,000 करोड़ रुपये, राज्यों की ओर से

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
(एबी-पीएमजेएवाई) देश की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में आर्थिक सुरक्षा का प्रमुख आधार बनकर उभरी है। योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को प्रति परिवार प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क और कैशलेस अस्पताल उपचार उपलब्ध कराया जाता है। योजना की आठवीं वर्षगांठ के अवसर पर 21 सितंबर 2026 तक देश की लगभग 33 प्रतिशत आबादी यानी 48.51 करोड़ से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। वहीं, 31 अगस्त 2026 तक योजना के तहत 13.25 करोड़ से अधिक अस्पताल दाखिलों के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपये की राशि का वित्तपोषण किया जा चुका है। एबी-पीएमजेएवाई के तहत देशभर के 38 हजार से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य और निजी अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से लाभार्थियों को द्वितीयक और तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। योजना का उद्देश्य गंभीर बीमारी और महान् उपचार के कारण परिवारों को आर्थिक संकट और भारी चिकित्सा खर्च से बचना है। भारत सरकार ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए 23 सितंबर 2018 को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को शुरुआत की थी। यह दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं में शामिल है। योजना के तहत 27 चिकित्सा विशेषज्ञताओं में 1,961

20,000 करोड़ रुपये और उद्योग की ओर से 10,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह योजना 4 अक्टूबर 2026 को एक वर्ष पूरा कर रही है।

आईटीआई: कुशल कार्यबल की नींव तैयार करना— आईटीआई युवाओं को रोजगार और उद्योग के लिए व्यावहारिक कौशल से तैयार करने हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के तहत सरकारी और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जाता है। ट्रेड के आधार पर पाठ्यक्रम की अवधि छह महीने से दो वर्ष तक होती है। प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी), कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) राष्ट्रीय स्तर पर व्यावसायिक प्रशिक्षण के विकास और समन्वय के लिए जिम्मेदार शीर्ष संयंत्र है। इसके कार्यों में नीतिगत, मानदंडों और मानकों का निर्धारण, पाठ्यक्रम विकास, संबद्धता, अनुदेशक प्रशिक्षण और ट्रेड परीक्षण शामिल हैं। आईटीआई राज्य सरकारों और केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों के प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण के अधीन है। देश में सरकारी और निजी आईटीआई सहित आईटीआई की कुल संख्या 2014 में 9,776 से बढ़कर 2026 में 13,888 हो गई है, जो 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। इसके अलावा, देशभर के आईटीआई में नर्सानां शैक्षणिक सत्र 2014-15 में 9.51 लाख से बढ़कर शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 14.70 लाख हो गया है, जो 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। विस्तारित होता यह नेटवर्क व्यावसायिक प्रशिक्षण को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में कौशल की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप इसे ढालने के लिए एक व्यापक संस्थागत आधार प्रदान करता है।

पीएम-सेतु किस प्रकार आईटीआई में बदलाव ला रहा है- पीएम-सेतु बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, उद्योग की भागीदारी और नए दौर के प्रशिक्षण को एक साथ लाकर व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करता है। यह परिवर्तन दो अलग-अलग घटकों पर आधारित है, जिसमें पहला घटक सरकारी आईटीआई पर और दूसरा राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) पर केन्द्रित है। घटक-डू में 1,000 सरकारी आईटीआई शामिल हैं, जिनमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई हैं। इन संस्थानों का आधुनिक बुनियादी ढांचे और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण के साथ हब-एंड-स्पोक

उपचार प्रक्रियाओं के लिए केशलेस स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं। आयुष्मान भारत के तहत एबी-पीएमजेएवाई के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और प्रथमार्थी आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएमएआर) मिलकर देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर आधार प्रदान कर रहे हैं। इन योजनाओं के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल से लेकर अस्पताल में उपचार, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक स्वास्थ्य अवसंरचना तक स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी श्रृंखला को मौजूबत किया जा रहा है। सरकार ने मार्च 2024 में एबी-पीएमजेएवाई का विस्तार करते हुए मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा), आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी सहायिकाओं के लगभग 37 लाख परिवारों को योजना में शामिल किया था। 21 सितंबर 2026 तक इन वर्गों के लिए 44.81 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसके अलावा 11 सितंबर 2024 को योजना का विस्तार 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों तक किया गया। इससे लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुझा कवच मिला है। 21 सितंबर 2026 तक 1.36 करोड़ से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाए जा चुके हैं। योजना के पात्र लाभार्थियों की पहचान सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना-2011 में निर्धारित अभाव और व्यावसायिक मानदंडों

PM-SETU

Transforming ITIs for Future Ready Workforce

Launched on 4 October, 2025

Component I	Component II
1,000 Government ITIs	Capacity augmentation 5 NISTs
200 Hub ITIs	800 Spike ITIs

Shubhojwalwar_chandel_hyderabad_karipur_end@pmsetu.gov.in

Source: Ministry of Skill Development and Entrepreneurship

गोय मॉडल के माध्यम से आधुनिकीकरण किया जा रहा है। प्रत्येक हब और सैन चार स्थानों से जुड़ा है, जिससे उन्नत बुनियादी ढांचे, आधुनिक ट्रेडों, डिजिटल शिक्षण प्रणालियों और इनक्यूबेशन सुविधाओं तक सप्ताह पहुंच संबंध हो रही है। हब में नवाचार केन्द्र, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए बुनियादी ढांचा, उत्पादन इकाइयाँ और प्लेसमेंट सेवाओं जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। स्थानीय प्रशिक्षण तक पहुंच का विस्तार करते हैं और शिक्षार्थियों को अपने-अपने कर्मस्थलों में उपलब्ध संसाधनों से जोड़ते हैं। यह मॉडल सामाजिक कक्षाओं, आधुनिक प्रयोगशालाओं, डिजिटल सार्वजनिक और उद्योग-अनुरूप पाठ्यक्रमों के माध्यम से आईटीआई के उन्नयन में सहायता कर रहा है। घटक-ड्रुड भूवर्धन, चेन्नई, हैदराबाद, कानपुर और लुधियाना में स्थित 5 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसएसआई) की क्षमता बढ़ाने पर केन्द्रित है। इसमें क्षेत्र-विशिष्ट राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से प्रशिक्षकों का उन्नत प्रशिक्षण शामिल है। पीएम-सेतु का कार्यन्वयन राजस्व, उद्योग और केन्द्र के बीच सन्तुलन- संबंधित राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश उद्योग के परामर्श से पीएम-सेतु के तहत आईटीआई के चयन का नेतृत्व करते हैं। वे उद्योग साझेदारों के सहयोग से आईटीआई के उन्नयन में लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं। इस प्रक्रिया में उपरती कौशल आवश्यकताओं और संबंधित क्षेत्रों की औद्योगिक क्षमता को ध्यान में रखा जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय राज्य (एनएसएसआई) में संचालित, एमएसडीआई की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) का गठन किया है, जो योजना के लिए समग्र दिशा-निर्देश प्रदान करती है। एनएससी व्यापक नीतिगत दिशा रूप देने, प्रचालन संबंधी शिक्षा-निर्देशों को अंतिम तय देने, कार्यन्वयन की निगरानी करे और आवश्यकता पड़ने

पर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने में सहयोग करती है। चयन प्रक्रिया में उद्योग की भागीदारी को भी शामिल किया गया है, जिसके तहत संभावित साझेदारों को रणनीतिक निवेश योजना (एसआईपी) प्रस्तुत करना आवश्यक है।

एसपीवीके माध्यम से उद्योग-नेतृत्व वाला शासन- पीएम-सेतु उक्त आईटीआई क्लस्टरों के लिए विशेष प्रोजेक्ट वाहन (एसपीवीके) के माध्यम से उद्योग-नेतृत्व वाले शासकीय कारा प्रवाधान करता है। प्रस्तावित संरचना के तहत एंकर इंडस्ट्री पार्टीनर को 51 प्रतिशत स्वामित्व दिया गया है, जबकि केन्द्र और राज्य सरकारों की हिस्सेदारी 24.5 प्रतिशत है। एसपीवी क्लस्टर के विकास और संचालन का नेतृत्व करते हैं तथा स्थानीय उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप उपयुक्त हस्तक्षेपों का प्रस्ताव रखते हैं। इन हस्तक्षेपों में पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण उद्योग करने की व्यवस्था, बुनियादी ढांचा और प्रदाय से परिचय जैसे क्षेत्र शामिल हो सकते हैं। **एक वर्ष में पीएम-सेतु: योजना से कार्यान्वयन तक-** पीएम-सेतु के पहले वर्ष के दौरान कार्यान्वयन ने संस्थागत तैयारियों और आईटीआई की पहचान से आगे बढ़कर आईटीआई क्लस्टरों और एसआईपी को मंजूरी देने तक प्रगति की है। कुल 850 आईटीआई की पहचान की गई है, जिसमें 172 हब आईटीआई और 678 स्पोक आईटीआई शामिल हैं। 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों ने क्लस्टरों की पहचान कर ली है और इसके लिए समर्पित राज्य बजट बनाए हैं। वहीं, 35 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों ने कार्यान्वयन के मापदंडन और निगरानी के लिए अपनी राज्य संचालन समितियों का गठन किया है। 26 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों ने उद्योग की भागीदारी आमंत्रित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। एसएसबी ने पीएम-सेतु को इसके पायलट चरण से आगे बढ़ाकर पहचाने गए सभी 200 आईटीआई क्लस्टरों में राष्ट्रव्यापी स्तर पर लागू करने को भी मंजूरी दे दी है। इस विस्तार के तहत राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश उद्योग की तैयारी और कार्यान्वयन क्षमता के आधार पर योजना को लागू कर सकेंगे। **कौशल विकास के दायरे का विस्तार-** कार्यबल की उपरती आवश्यकताओं के लिए नए दौरे के पाठ्यक्रम बुनियादी ढांचे और संस्थागत सुधारों के पूरक के रूप में, पीएम-सेतु का ध्यान व्यावसायिक प्रशिक्षण को उपरती प्रौद्योगिकियों और व्यवसायों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने पर भी है।

के आधार पर की जाती है। इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत पहले से शामिल परिवार भी आते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे परिवार पात्र नहीं जिनके पास कच्ची दीवार और कच्ची छत वाला केवल एक कमरा है, जिनमें 16 से 59 वर्ष की आयु का कोई व्यक्ति सदस्य नहीं है, महिला मुखिया वाले परिवार जिनमें 16 से 59 वर्ष की आयु का कोई व्यक्ति पुरुष सदस्य नहीं है, दिव्यांग सदस्य वाले ऐसे परिवार जिनमें कोई सक्षम व्यक्ति सदस्य नहीं है, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवार तथा भूमिहीन परिवार जिनकी आय का प्रमुख स्रोत दिहाड़ी मजदूरी है। शहरी क्षेत्रों में कूड़ा बीनने वालों, भिखारियों, चोरों कामगारों, सड़क पर सामान बेचने वालों, मोटारियों, फेरीवालों, निर्माण श्रमिकों, प्लंबर, राजमिस्त्री, मजदूरों, पेंटर, वेल्डर, सुरक्षा गार्ड, कुली, सफाईकर्मियों, माली, कारीगरों, दलियों, परिवहन श्रमिकों, चालकों, परिचालकों, रिक्शा चालकों, दुकान कर्मचारियों, डिलीवरी सहायकों, वेटरों, बिजली मिस्त्रियों, मैकेनिकों, धोबियों और चौकीदारों सहित विभिन्न श्रेणियों के जो पात्रता दी गई है। सरकार ने विभिन्न विशेष पहलों के माध्यम से योजना का दायरा और व्यापक किया है। भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक और उनके आश्रित, पीएम-रहत के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ित, स्मार्टल पहल के तहत पात्र संसज्ज व्यक्तियों, पीएम केरस पर चिह्नित योजना के पात्र बच्चे, नमस्ते योजना के तहत पहचाने गए कचरा बीनने वाले

और सफाईकर्मों तथा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के भी स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। योजना के प्रभाव का उद्घरण हरियाणा के जींद जिले की 65 वर्षीय बीरमती का मामला है। उनसे जांच की हड्डी के ऊपरी हिस्से, जिसे फीमर की गंदे कढ़ावा जाता है, में गंभीर फ्रैक्चर हो गया था। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से उन्हें जिला आर्योपेडिक एवं मातृत्व अस्पताल में 44,140 रुपये मूल्य का उपचार और सपर्य पर सस्ती बिना किसी शुल्क के उपलब्ध करवा दिया। इस तरह की सहायता आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए जीवनरक्षक साबित हो रही है। एबी-पीएमजेएवाई केंद्र प्रायोजित योजना है। अधिकांश राज्यों में केंद्र और राज्य सरकार के बीच वित्तपोषण का अनुपात 60:40 है। पूर्वोत्तर राज्यों, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में यह अनुपात 90:10 है। बिना वित्तगण्डल वाले केंद्रशासित प्रदेशों में केंद्र सरकार 100 प्रतिशत वित्तपोषण करती है, जबकि वित्तगण्डल वाले केंद्रशासित प्रदेशों में केंद्र और केंद्रशासित प्रदेश के बीच 60:40 के अनुपात में राशि साझा की जाती है। वर्ष 2026-27 के लिए योजना के तहत 9,500 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान अनुमानित है। सरकारी वित्तपोषण बढ़ने और निःशुल्क तथा कम लागत वाली स्वास्थ्य योजनाओं के विस्तार से लोगों के अपनी जेब से होने वाले स्वास्थ्य खर्च में भी कमी आई है।

क्षमा वीरस्य भूषणम्'-(क्षमा आत्मा का स्वभाव है)

अनादिकाल से जैन आगमानुसार दशलक्षण धर्म का समापन क्षमावर्णी पर्व के द्वारा किया जाता है, जिसमें मुख्यरूप से आपस में एक-दूसरे से वर्ष भर में हुई भूलों के लिए परस्पर हाथ जोड़कर मन-वचन-काय से क्षमायाचना की जाती है। एकमात्र हम जैन आगम में ही यह देखते कि एक-दूसरे से व्यक्ति आपस में हुई कलुषता के लिए क्षमावर्णी पर्व मनाता है। दशलक्षण धर्म का प्रारंभ क्षमा से प्रारंभ होकर क्षमा पर ही समापन होता है। जैनचार्यों के अनुसार कषाय मनुष्य को अनेक भवों तक नरक और तिर्यंच गति में भ्रमण करवाता है। यदि आपस में वैर-भाव हो जाये, तो उसे 6 माह के अंदर ही हाथ जोड़कर समाप्त कर लीजिए। अन्यथा कोड़कोड़ी सागर वर्ष तक वह कषाय साथ-साथ चलती है। भगवान् पार्श्वनाथ और कमठ का जीव दश भव तक चलता हुआ वैर इस बात का उदाहरण है। बंधुओं वैर से वैर कभी भी समाप्त नहीं होता है, जिस प्रकार से अग्नि से अग्नि नहीं समाप्त होती है। क्रोधरूपी अग्नि को बुझाने के लिए हमरूपी जल अवश्य डालना पड़ता है। इसी प्रकार से हम इस दुर्लभ मनुष्य भव में किसी भी प्रकार से वैर को स्थान न देकर हमेशा क्षमा को अपनाएँ। भारतवर्ष महात्मा और संतों का देश रहा है। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी अपने स्वयं के प्राणघात करने वाले को भी क्षमा प्रदान की। यह साक्षात् क्षमा का एक उदाहरण है। हम देखते हैं कि बच्चा कितनी भी गलती करे लेकिन अंत में माँ उसे

क्षमा कर देती है। यह सबसे उत्तम उदाहरण है।
खाम्माभि सव्वज्जीवाणं, सव्वे जीवा खम्मतु मे।
मिती मे सव्वभूदेषु, वैरं मज्झंण केणवित्।३।
अर्थात् सव्व जीवों से मैं क्षमा याचना करता हूँ।
सब जीव मुझे क्षमा करें। यह हमारे जैन साधु प्रतिदिन
दिन में 3 बार सामाजिक करते हैं। उस सामाजिक पाठ
में यह बोलेते हैं। जैन श्रावक प्रतिदिन मंदिर में जाकर
आलोचना पाठ के माध्यम से अपने द्वारा दिन भर में
कोई गई भूलों के लिए विनयेन्द्र प्रभु को अपने क्षमा
याचना करता है। जैन शास्त्रों में कई उदाहरण हमें
देखने को मिलते हैं, जैसे पाण्डव मुनियों के ऊपर
असज्जला दी, लेकिन उन्होंने उसको समता परिणामों
से स्वीकार किया, न कि क्रोध करके अपने क्रोध को
प्रगट किया। इसी प्रकार से अनेक मुनियों और संतों
के ऊपर उपसर्ग आते हैं, लेकिन वह उस उपसर्ग को
सहन करते हुए सभी को क्षमा कर देते हैं। क्षमा
वीरस्पृश भूषण के बारे में आचार्यों ने ग्रंथों में कहा कि
क्षमा वीरों का आभूषण है। इसे कायर व्यक्ति नहीं
धारण कर सकता है। क्योंकि क्षमा भी वीर पुरुष के
पास होती है। कायर व्यक्ति क्षमा जैसे आभूषण को न
ग्रहण कर सकता है न दे सकता है। क्षमा आत्मा का
गुण है। यह आत्मा का स्वभाव होता है। क्योंकि हम
देखते हैं कि किसी व्यक्ति को यदि क्रोध आ जाये, तो
वह कितनी भी दैत क्रोध को, लेकिन अंततोगत्वा उसे
अपने स्वभाव में आना पड़ता है और इसी की अपेक्षा
यदि हम देखें कि कोई व्यक्ति हंसता है, किनका हंस
सकता है। इस समय आता है कि उसे रुककर अपने
व्यवस्थित स्वरूप में आना पड़ता है। क्योंकि शत
गुण क्षमा का है और क्षमा आत्मा का गुण है। इसलिए

आत्मा का वस्तविक स्वरूप क्षमावाणी पर्व नमाकर सम्पन्न किया जाता है। जैन साध्वी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी द्वारा रचित भजन के माध्यम से कहती हैं—

क्षमा गुण को मन में धर लो, क्षमा को वाणी में कर लो।

शत्रु-मित्र सबमें समता का, भाव हृदय धर लो।

क्षमा गुण को मन में धर लो।।टेक।।

मैंजी का हो भाव सधौं, प्राणी के प्रति मेरा।

गुणी जनों को देख हृदय, आल्हाद हो मेरा।

वही आल्हाद प्राप्त कर लो,

क्रोध वै भावों को तजकर, मन पावन कर लो।

क्षमा गुण को मन में धर लो।।

सारेगी सिंहाश्वं सृष्टति सुतुधिया नन्दिनी व्याघ्र पोतं
माजरी हंसबालं प्रणयपरवशा केकिंकांता भुजंगीम्।
वैष्णयजन्मजातान्यपि गलितमदा जंतवान्ये त्यजति।
श्रित्वा सायंकैरूढं प्रशमितकलुषं योगिनं क्षीणमोहम्।

हरिणी गाय के बच्चे को पुत्र की बुद्धि से स्पर्श करती है, गाय व्याघ्र के बच्चे को दूध पिलाती है, बिल्ली हंसों के बच्चों को प्रीति से लालन करती है, एवं मयूरी सर्पों को प्यार करने लगती है। इस प्रकार से जन्मजात भी वैषां को वरुण जंतुगुण छोड़ देते हैं।

कब ? जबकि वे पापों को शांत करने वाले मोहरहित और समताभाव में परिणत ऐसे योगियों का आश्रय पा लेते हैं अर्थात् ऐसे महामुनियों के प्रभाव से हिंसक पशु अपनी द्वेष भावना छोड़कर आपस में प्रीति करने लगते हैं। ऐसी शांत भावना का अभ्यास इस क्षमा के अवतर्जन से ही होता है। वर्तमान में जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी

हमारे बीच में विद्यमान हैं, जो कि दिगम्बर जैन-समाज में वर्तमान समय में लगभग 1500 साधु-साध्वियाँ विराजमान हैं, उन सभी में सबसे प्राचीन दीक्षित हैं। 66 वर्ष संयम की साधना के व्यतीत हो चुके हैं। उनका यह कहना है कि क्षमा धर्म को धारण करके हम भव से पाए होकर मुक्ति को प्राप्त हो सकते हैं। क्षमा धारण करने वाला व्यक्ति इस भव में भी और पर धम में भी सुख को प्राप्त करता है। कोभी व्यक्ति के पास कोई भी व्यक्ति बैठना नहीं चाहता है, उस व्यक्ति से बात करना नहीं चाहता है। उससे कोई संबंध नहीं करना चाहता है और परस्पर व्यवहार में भी आपस में उसकी निंदा करते हैं। जो व्यक्ति सौम्य स्वभावी होता है, सभी उससे जुड़ना चाहते हैं एवं उसे ही अपने पास बैठना चाहते हैं। कोभी व्यक्ति को जब कुछ आता है, तब आंखें लाल हो जाती हैं, हाँठ ककपकाने लग जाते हैं एवं वह बोला कुछ चाहता है, शब्द मुख से कुछ और निकलता है। एक वैज्ञानिक ने कोथो व्यक्ति का खून इंजेक्शन में लेकर एक चूहे के लगा दिया, तो वह चूहा कुछ समय बाद तड़ककर मरुता को प्राप्त हो गया। इसलिए कोथो हर प्रकार से बुरा होता है। आज वर्तमान में सामाजिक जो भी समस्याएँ हैं, एक देश का दूसरे देश से वैर विरोध है, वह सभी हल अहिंसा और क्षमा के द्वारा दूँटे जा सकते हैं। यह क्षमावाणी पर्व हमें यही संदेश देता है।

-प्रतिष्ठाचार्य विजय कुमार जैन (मंत्री)
भगवान महावीर जन्मभूमि कुण्डलपुर दि. जैन
समिति महामंत्री तीर्थंकर ऋषभदेव जैन विद्भत्
महासंघ

विधान सभा परिसर में क्षमा वाणी महोत्सव में गुंजे जय हिंद जय जिनेंद्र के जयकारे : करुणा दया

■ अनुकंपा की भावना के बिना क्षमा धर्म की आराधना नहीं हो सकती, आचार्य समय सागर महाराज

भोपाल (विश्व परिवार)। सकल जैन समाज के सामूहिक क्षमा वाणी महोत्सव में विधान सभा परिसर में सामाजिक बंधु एक दूसरे से जाने अनजाने में की गई गलतियों के लिए क्षमा मांगते दिखे, कुंडल पुर के बड़े बाबा आचार्य विद्या सागर महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ शुरु हुए आयोजन में प्रदेश के मुख्य मंत्री विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने आचार्य श्री को शास्त्र भेट किए, सभी के मंगल मय जीवन की मंगल कामना के साथ मंगलाचरण हुआ, जनप्रतिनिधियों ने श्री फल भेट कर आशीर्वाद लिया मुख्य मंत्री मोहन यादव ने कहा हमारा सौभाग्य हे लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में आचार्य श्री के आने से दिवाली होली एक साथ बन गए हे में सरकार की ओर से स्वागत वंदन करता हु लोक तंत्र के मंदिर में पूर्व में



आचार्य श्री विद्या सागर महाराज के चरण भी पड़े, ये सुखद संयोग हे कल प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यकाल के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हे माननीय प्रधान मंत्री ने अपने कार्यकाल में जीव दया ओर अहिंसा को आधार माना शासन के मुखिया होने के नाते निर्णय कठोर भी लेने पड़ते हे, में क्षमा मांगता हु क्षमा पर्व व्यक्ति के अंतर मन को मजबूत बनाता हे, अहंकार का नाश कर क्षमा जीवन में सरलता सहजता लाती हे, आचार्य श्रीके आशीर्वादसे सभी के कल्याण की भावना से जनहित के कार्य करे,,



स्वागत अध्यक्ष अखिलेंद्र जैन ने बताया आचार्य श्री की अगवानी विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर अधिकारियों ने कीआयोजन में मौजूद श्रद्धालु जय हिंद जय जिनेंद्र के जयकारे लगा रहे थे आयोजन समिति के प्रमुख पंकज सुपारी मनोज बांगा मनोज प्रधान अखिलेंद्र जैन ने मुख्य मंत्री विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का सम्मान किया,विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा धर्म के बिना जीवन अधूरा हे धर्म की प्रकृति के विश्लेषण में जैन सिद्धांत में त्याग कठोरता समर्पण

दिखाई देता हे सभी के लिए अनुकरणीय हे लोग भिंड मुरैना को डकैत इलाके से जानते हे, यह गलत हे,, भिंड मुरैना में भी प्राचीन मंदिरों से आध्यात्मिक क्रियाओं का सार हे, हम सभी का सौभाग्य पुण्य हे भारत भूमि संतो ऋषियों की तपस्या की भूमि हे, संतो के आशीर्वाद से मिलकर भूमि को देश को सोने की चिड़िया बनाए और फिर से विश्व नेतृत्व करे, उन्होंने आचार्य श्री से कहा इस लोक तंत्र के मंदिर में पक्ष भी हे विपक्ष भी हे आपके आशीर्वाद से सभी में सकारात्मकता देश भक्ति हो,, ऐसे आशीर्वाद दे इस लोक के साथ पर लोक भी सुधरे,, आचार्य श्री समय सागर महाराज ने कहा जैन धर्म जाति वाद का धर्म नहीं हे यहां वैराग्य की भावना से ओतप्रोत जीव दया की भावना से अहिंसा की उपासना की जाती हे अहिंसा व्यक्ति विशेष का नहीं विश्व धर्म हे, प्रत्येक जीव सुख शांति चाहता हे, क्षमा धर्म की उपासना के बिना सुख शांति नहीं है,, आचार्य श्री ने हमेशा भारत से मांस निर्यात का विरोध किया।

मां दंतेश्वरी के दर्शन हेतु जाने वाले पदयात्रियों की सेवा और सुरक्षा हेतु होगी समन्वित पहल

■ कलेक्टरेट में पदयात्री सेवा केन्द्र स्थापित करने बनी व्यापक कार्ययोजना



बैठक के दौरान यात्रा मार्ग पर पदयात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न सामाजिक व व्यापारिक संगठनों और ग्राम पंचायतों के सहयोग से लगभग 22 पदयात्री सेवा केंद्र स्थापित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। इन केंद्रों पर श्रद्धालुओं के लिए विश्राम, जलपान, भोजन और प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रबंध किया जाएगा। पदयात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन ने भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने, आवश्यकतानुसार बैरिकेटिंग लगाने और अंधेरे व संवेदनशील

मोड़ों पर रेडियम युक्त स्टॉप की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही रात के समय राहगीरों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मार्ग पर विद्युत व्यवस्था सुचारू रखने तथा क्रेडा के सहयोग से सोलर लाइटों को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी तय की गई। स्वच्छता और मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नगर निगम जगदलपुर और संबंधित पंचायतों को सभी केंद्रों पर निरंतर पेयजल टैंकर, टकियां और सफाई व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया है।

रागी भाई बबीहा ने पूर्व विधायक जुनेजा के कार्यालय में दवाई के लंगर की सराहना की



रायपुर (विश्व परिवार)। सिक्ख जगत के प्रसिद्ध रागी भाई बबीहा जी ने पूर्व विधायक श्री कुलदीप जुनेजा के कार्यालय पहुंचकर दवाई के लंगर की सेवाओं की सराहना की। उन्होंने दवाई के लंगर के माध्यम से जरूरतमंदों को उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क दवाइयों एवं सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए इस पुनीत पहल के लिए श्री कुलदीप जुनेजा को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर भाई बबीहा जी ने कहा कि जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का यह सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने दवाई के लंगर की निरंतर सफलता एवं विस्तार के लिए अपनी

शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस दौरान परविंदर भाटिया, गुरचरण होरा सहित सिक्ख समाज के अनेक प्रतिष्ठित पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित रहे। सभी ने दवाई के लंगर की सेवा भावना की सराहना करते हुए इस जनसेवा कार्य को आगे भी निरंतर जारी रखने की शुभकामनाएं दीं। पूर्व विधायक श्री कुलदीप जुनेजा ने भाई बबीहा जी एवं उपस्थित समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना उनका निरंतर प्रयास है और दवाई के लंगर इसी सेवा भावना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कुटकीपारा में वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा स्थापित

■ गांव-गांव तक पहुंचे उनके संघर्ष और स्वाभिमान की प्रेरणा: राजा खड्ग राज सिंह

कुटकीपारा (विश्व परिवार)। ग्राम कुटकीपारा में मंडला गढ़ की वीरांगना रानी दुर्गावती जी की प्रतिमा स्थापना के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर कलश यात्रा के साथ गांव भ्रमण किया गया। गांव में जगह-जगह ग्रामीणों से भेंट-मुलाकात हुई तथा लोगों ने आत्मीयता के साथ स्वागत किया। पूरे आयोजन के दौरान रानी दुर्गावती जी के प्रति समाज की श्रद्धा और सम्मान देखने को मिला। कार्यक्रम को लेकर राजा खड्ग राज सिंह ने कहा कि ग्राम कुटकीपारा में रानी दुर्गावती जी की



प्रतिमा की स्थापना हम सभी के लिए हर्ष, गर्व और सम्मान का विषय है। रानी दुर्गावती जी का जीवन साहस, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रेरणा देता है। उनका इतिहास आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कुटकीपारा में किया गया यह प्रयास केवल एक प्रतिमा की स्थापना तक सीमित नहीं रहना चाहिए। रानी दुर्गावती जी की सोच, उनके संघर्ष और आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास को गांव-गांव तक

पहुंचाने की दिशा में इसे एक शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुटकीपारा से शुरू हुआ यह प्रयास धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र में आगे बढ़े, इसके लिए समाज के साथ मिलकर निरंतर प्रयास किए जाएंगे। अंत में उन्होंने ग्राम कुटकीपारा के समस्त ग्रामवासियों द्वारा दिए गए स्नेह, सम्मान और आत्मीयता के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं।

विमर्श जागृति मंच के राष्ट्रीय अधिवेशन में अशोकनगर को मिला उत्कृष्ट शाखा का पुरस्कार



अशोकनगर (विश्व परिवार)। विमर्श जागृति मंच का राष्ट्रीय अधिवेशन अतिशय क्षेत्र तिजारा जी में सम्पन्न हुआ जिसमें देश भर से भारी संख्या में शाखाओं एवं गुरुभक्तों ने भाग लिया। हमारे शहर से विमर्श जागृति मंच के 31 सदस्यों ने सहभागिता कर गुर्वर का आशीर्वाद एवं वरिष्ठ नेतृत्व से दिशा-निर्देश प्राप्त किये।अधिवेशन में किये कार्यों के आधार पर पुरस्कार दिये गये। अशोकनगर शाखा अध्यक्ष संजय सिंघई ने बताया कि विमर्श जागृति मंच के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन कैंची की अध्यक्षता में आयोजित इस अधिवेशन में

शाखाओं को उनके कार्यों की रिपोर्ट के आधार पर पुरस्कृत किया गया। विमर्श जागृति मंच अध्यक्ष अशोकनगर,बड़ौदा एवं जतारा उत्कृष्ट शाखा चुनी गई उन्हें सम्मानित किया गया तथा जिनागम पंथी श्रावक संघ दिल्ली को भी उत्कृष्ट पुरस्कार मिला। सराहनीय पुरस्कार विमर्श जागृति मंच शाखा टीकमगढ़ एवं जिनागम पंथी श्रावक संघ सहारनपुर को मिला। महामंत्री के रूप में प्रवीन जैन बड़ौत ने राष्ट्रीय मंत्री ने सभी शाखाओं की रिपोर्ट संकलित की। अधिवेशन का सफल संचालन वरदान जैन ने किया।

भैया जी की गोद भराई हुई

दुर्ग (विश्व परिवार)। पट्टाचार्य गुरु विशुद्ध सागर जी महाराजसंग मुनी आदित्य सागर जी महाराज जयपुर संघ संलग्न बाल ब्रह्मचारी भईयाओं की बिंदोली और गोद भराई का कार्यक्रम आज संध्या श्री दिगांबर जैन मंदिर की विद्युत नगर में सकल दिगांबर जैन समाज की उपस्थिति में भव्य शोभायात्रा जिसे हम बिंदोली कहते हैं। संजय बोहरा ने बताया कि जैनैश्वरी दीक्षा होने वाले भैया जी ब्रह्मचारी भईयाओं को सुसज्जितबन्धी में विराजमान कर गाएं बाजे और जयकारों के नारे के साथ नगर भ्रमण कराया जाता है। आगे भैया जी की दीक्षा 16 दिसंबर जयपुर में संपन्न होनी है। आप लंबे समय से संयम के पद पर चलकर मोक्ष का मार्ग की खोज में गुरु सानिध्य में तप ,तपस्या त्याग का पालन करते हुए जनेश्वरी दीक्षा के पात्र हुए इस अवसर पर भव्य मंगल शोभा



यात्रा/बिंदोली, में समाज का हर छोटा बड़ा सदस्य आपकी गोद भराई करी बोहरा में बतायाकुछ दिन पश्चात भैया जी लोग दिगांबर धारण कर मुनि महाराज के रूप में सकल जैन समाज को धर्म ,ज्ञान और प्रभावना के रूप में समाज को संदेश देंगे अर्थात आप ग्रस्त जीवन को त्याग कर नग्न अवस्था धारण कर दिगांबर मुनि के रूप में प्रभु श्री जिनेंद्र देव की मार्ग पर चलने का प्रयास करेंगे भैया जी अतिशय भैया जी ,विशाल भैया जी ,रोहितजी, नव दीक्षित भैया जी ने

मंदिर जी में विराजमान दुर्ग नगर गौरव आरध्या सागर जी महाराज से आशीर्वाद और मांगलिक प्राप्त किया। जनेश्वरी दीक्षा मोक्ष मार्ग पर चलने की एक कठिन रास्ता होती है जो बहुत कम ही लोग इस मार्ग पर चलते हैं इस पूरे कार्यक्रम को भव्य और भव्यतम बनाने में इस में विशेष रुप से नागपुर प्रांतीय सभा के अध्यक्ष मनोज लोहारिया जी,रमेश बाकलीवाल ,अभिषेक जैन, राकेश जैन और उनके सभी सहयोगी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

जैन पत्रकार महासंघ ने किए महातीर्थ चंद्रगिरि डोंगरगढ़ में आचार्य श्री की समाधि स्थल के दर्शन

■ महासंघ ने आचार्य श्री के उपकारों को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

जयपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय जैन पत्रकार सम्मेलन रायपुर-2026 के सफलतापूर्वक संपन्न होने के पश्चात जैन पत्रकार महासंघ का यात्रा दल परम पूज्य सत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की समाधि स्थल दिगांबर जैन चंद्रगिरि महातीर्थ क्षेत्र, डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ पहुंचा। यात्रा दल का नेतृत्व जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया, जयपुर ने किया।

जैन पत्रकार महासंघ के यात्रा दल का क्षेत्र कमेट्री ने किया स्वागत

जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय



महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य संयोजक द्वय श्री प्रकाश मोदी, पारस चैनल, भाटापारा एवं दैनिक विश्व परिवार समाचार पत्र के प्रधान संपादक श्री प्रदीप जैन, रायपुर के संयोजन में यात्रा दल को अग्रसेन धाम, रायपुर से डोंगरगढ़ के लिए रवाना किया गया। चंद्रगिरि डोंगरगढ़ पहुंचने पर क्षेत्र के अध्यक्ष सेठ श्री किशोर जैन, महामंत्री श्री निर्मल जैन सहित अन्य

पदाधिकारियों ने यात्रा दल में शामिल पत्रकारों का स्वागत किया।

अभिषेक-शांतिधारा के बाद सामूहिक भक्ति

परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की धर्म प्रभावक शिष्या परम पूज्य आर्थिका जी शैलमत माता जी, उदर मती माताजी संसंध सानिध्य एवं जैन पत्रकार महासंघ के

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र जैन महावीर, सनावद के निर्देशन में आचार्य श्री के चरणों का अभिषेक किया गया। इसके बाद शांतिधारा एवं शांति विधान के अर्थ्य समर्पित किए गए। संगीत के साथ आचार्य श्री की पूजन एवं सामूहिक भक्ति की गई। महातीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष श्री किशोर जैन ने पत्रकारों को आचार्य श्री के प्रवास के दौरान उनके कक्ष, सभा स्थल, विभिन्न चर्या स्थल, संलेखना कक्ष एवं समाधि स्थल के दर्शन कराए। पत्रकारों ने निर्माणाधीन पहाड़ी पर जैन मंदिर एवं समाधि स्थल का अवलोकन किया। इसके साथ ही प्रतिभास्थली एवं गौशाला का भी अवलोकन किया।

यह सदी आचार्य श्री के नाम से जानी जाएगी राजेन्द्र जैन महावीर

सम्मान सभा में क्षेत्र केद्वद्ध

अध्यक्ष श्री किशोर जैन ने महातीर्थ पर स्थित जैन मंदिर, आचार्य श्री के निर्माणाधीन समाधि स्थल एवं गुरु मंदिर तथा आचार्य श्री से जुड़े अनेक संस्मरण सुनाए। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र जैन महावीर, सनावद ने आचार्य श्री द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए अनेक उपकारों का उल्लेख करते हुए उनके संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि संपूर्ण राष्ट्र एवं विश्व पर आचार्य श्री के अनेक उपकार हैं। उन्होंने इंडिया को भारत बोलने, हिंसा के स्थान पर अहिंसा और शांति का संदेश देने, शिक्षा नीति में बदलाव के दिशा-निर्देश देने, हथकरघा को प्रोत्साहन देने तथा गौशालाओं को बढ़ावा देने सहित अनेक कार्यों का उल्लेख किया।

पांच घंटे धूम रही हनुमान चालीसा और भजनों की 51 बच्चों ने सामूहिक किया एक चालीसा पाठ

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ लोहाणा गुजराती महिला मण्डल द्वारा आशीर्वाद भवन, बेरन बाजार में 51 संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया है। लगातार पांच घंटे तक चलने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान में बीच-बीच में विभिन्न देवी-देवताओं की झांकीमय भजनों की प्रस्तुति भी की गई।

गोंदिया (महाराष्ट्र) के प्रसिद्ध भजन गायक मितेश भाई परमार ने हर वर्ष की तरह इस बार भी संगीतमय हनुमान चालीसा के साथ सुमधुर भजनों की प्रस्तुति की।

दोपहर तीन बजे पाठ का भव्य शुभारंभ 21 पंडितों व धर्माचार्यों के द्वारा शंखनाद, मंत्रोच्चार व श्री हनुमान जी



की आरती के साथ किया गया। लोहाणा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रेखा बेन रायचुरा, कार्यक्रम संयोजक द्वितेश रायचुरा, मुकेश शाह व प्रकाश पुजारा ने बताया कि इस आयोजन में रायपुर समेत दुर्ग, भिलाई,राजनांदगांव समेत प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से भक्तगण शामिल हुए।आयोजन का एक विशेष आकर्षण रहा 51 बच्चों द्वारा विशाल मंच के समुप एक साथ बैठकर सामूहिक रूप से एक हनुमान चालीसा पाठ का जाप।

भावना बोहरा की पहल से वनांचल की बेटियों को मिलेगी नई उड़ान

■ कुई-कुकदुर महाविद्यालय हेतु 12 अक्टूबर से शुरू होगी निःशुल्क बस सेवा

पंडरिया (विश्व परिवार)। पंडरिया विधानसभा की बेटियों की शिक्षा, सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विधायक भावना बोहरा द्वारा एक और सराहनीय एवं संवेदनशील पहल की जा रही है। विधायक भावना बोहरा द्वारा 12 अक्टूबर को वनांचल क्षेत्र कुई कुकदुर में अध्ययनरत छात्राओं के लिए निःशुल्क बस सेवा की शुरुआत की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों की बेटियों को सुरक्षित, सुगम और नियमित आवागमन की सुविधा उपलब्ध करारकर उन्हें उच्च शिक्षा से जोड़ना है। पंडरिया विधानसभा के अनेक ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में आज भी छात्राओं को महाविद्यालय तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। परिवहन सुविधा के अभाव और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण कई बार बेटियों की पढ़ाई प्रभावित होती है। विधायक भावना बोहरा ने इन समस्याओं को गंभीरता से समझते हुए बेटियों की



शिक्षा को बाधित न होने देने का संकल्प लिया है। अब तक इस निःशुल्क बस सेवा के माध्यम से 1500 से अधिक महाविद्यालयीन छात्राएं लाभान्वित हो चुकी हैं। यह पहल न केवल छात्राओं को सुरक्षित आवागमन उपलब्ध करा रही है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति निरंतरता को भी मजबूत कर रही है। कुई-कुकदुर महाविद्यालय हेतु बस सेवा ग्राम अमनिया से प्रारंभ होकर ग्राम नेऊर में कुशियारी व महीडबरा की छात्राएं, ग्राम दमगढ़ में लुहुटोला व उपका की छात्राएं

तथा ग्राम अमेरा, कुर्सीकछार एवं कुई की छात्राओं को लेकर कुई-कुकदुर महाविद्यालय पहुंचेगी। इस निःशुल्क बस सेवा का लाभ लेने के लिए मोबाइल नंबर 9754462000 एवं 9755359004 पर छात्राएं व उनके परिजन संपर्क कर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि हमारी बेटियां पढ़ेंगी, आगे बढ़ेंगी और अपने सपनों को साकार करेंगी, तभी हमारा समाज और हमारा क्षेत्र वास्तव में सशक्त होगा। वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों



में रहने वाली बेटियों के सामने शिक्षा के साथ-साथ कॉलेज तक सुरक्षित पहुंचना भी एक बड़ी चुनौती होती है। कई छात्राओं को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, परिवहन के सीमित साधनों के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है और कई परिवार सुरक्षा की चिंता के कारण बेटियों को आगे की पढ़ाई के लिए दूर भेजने में संकोच करते हैं। इसी चुनौती को अवसर में बदलने के उद्देश्य से हमने निःशुल्क बस सेवा की शुरुआत की है। हमारी बेटियां केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य की शक्ति हैं। उनकी शिक्षा में किया गया प्रत्येक प्रयास आने वाली पीढ़ियों को मजबूत बनाने का प्रयास है। हमारा संकल्प है कि पंडरिया विधानसभा की कोई भी बेटि केवल साधनों के अभाव में अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़े।

बस्तर में बाढ़ पीड़ितों के संबल हेतु आगे आया बंगाली समाज मैत्री संघ

■ मुख्यमंत्री सहायता कोष के नाम कलेक्टर को सौंपा 21 हजार रुपए रुपए का चेक

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान

अर्नब का असर एवं पड़ोसी राज्य ओडिशा के खातीगुड़ा व मुरान बांधों के फटक खोले जाने से बस्तर जिला क्षेत्र में विकराल बाढ़ और गंभीर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई थी जिसके चलते आम जनजीवन के साथ साथ सभी सामान्य गतिविधियां पूरी तरह ठहर गई थीं। इस बीच प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए जगदलपुर शहर की बहु प्रतिष्ठित बंगाली संस्था मैत्री संघ ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए राहत का हाथ आगे बढ़ाया है। मैत्री संघ संस्था के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचकर बाढ़ राहत हेतु मुख्यमंत्री सहायता कोष के



नाम 21 हजार रुपए रुपये का चेक बस्तर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा को सौंपा। इस दौरान मैत्री संघ संस्था अध्यक्ष श्री दीपक घोष, महासचिव श्री सुनील साहा, कोषाध्यक्ष श्री देवाशीष चैधरी एवं संयुक्त सचिव देवव्रत बराल तथा वरिष्ठ सदस्य श्री अशोक रंजन मुखर्जी उपस्थित रहे। संस्था के महासचिव सुनील साहा ने कहा कि आपदा की इस कठिन घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़े होकर उन्हें सहायता उपलब्ध कराना हमारा कर्तव्य है, हमारा नैतिक दायित्व है और हमारी संस्था भी जनहित के कार्यों में सदैव तत्पर रहा है।

■ षष्ठी मंदिर के पास सड़क की सफाई से दिये स्वच्छता का संदेश

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के तहत जिले मे अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें स्वच्छता अभियान प्रमुख है। इसी कड़ी मे सोमवार को राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की अगुवाई मे बलौदाबाजार स्थित षष्ठी मंदिर के आस -आस स्वच्छता अभियान चलाया गया।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने हाथ मे झाड़ू लिये सड़क पर बिखरे कचरे की सफाई की और कुड़ो को उठाकर डस्टबीन मे डाला। इस प्रतीकात्मक स्वच्छता अभियान से लोगों को स्वच्छता अपनाने और कहीं भी कचरा नहीं फेंकने का सन्देश दिया गया।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि



प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के अनवरत 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है इसके तहत सेवा मेरा योगदान अंतर्गत यहां स्वच्छता अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को अपनाना एक आदत है जो धीरे धीरे बनता है। अब

निगम ने की सीलबंद कार्यवाही



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के आदेशानुसार अपर आयुक्त राजस्व श्री लोकेश्वर साहू, उपायुक्त राजस्व डॉ अंजलि शर्मा के निर्देशानुसार रायपुर नगर निगम राजस्व विभाग द्वारा सभी 10 जोनों में बकाया राजस्व वसूली अभियान तेजी से चलाया जा रहा है।

आज रायपुर नगर निगम जोन 5 राजस्व विभाग की टीम द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत ठाकुर प्यारेलाल सिंह वाई क्रमांक 39 क्षेत्र अंतर्गत मारुति बिजनेस पार्क में स्थित दो बकायादारों अनीता दयाल एवं साईप्रकाश डेवलपमेंट दुकान द्वारा वर्ष 2018-19 से दुकान क्रमांक एसएफबी और एफएफबी

द्वारा बकाया राशि क्रमशः 131628 रुपये और 180607 रुपये रायपुर नगर निगम जोन 5 राजस्व विभाग को अदा नहीं किये जाने पर नगर निगम जोन 5 जोन कमिश्नर श्री खीरसागर नायक के निर्देश पर जोन सहायक राजस्व अधिकारी श्री प्रमोद जाधव, राजस्व निरीक्षक श्री खगेंद्र सोनी, श्री मनीष भोई, सहायक राजस्व निरीक्षक सर्वश्री विपिन सोनी, देवेन्द्र नेताम, रवि सोनी, मयंक यादव, मनीष खुटे की उपस्थिति में नगर निगम जोन 5 राजस्व विभाग द्वारा उक्त दो बकायादारों की सम्बंधित व्यवसायिक सम्पत्तियों को तत्काल ताला लगाकर सीलबंद कर दिया गया।

सुहिणी सोच संस्था का विस्तार अब जगदलपुर, तिल्दा, राजिम एवं धमतरी के बाद बेमेतरा में भी

■ सुहिणी सोच बेमेतरा का शपथ ग्रहण समारोह एवं झूलण जी मौज उत्साहपूर्वक संपन्न।

रायपुर (विश्व परिवार)। महिलाओं के सशक्तिकरण एवं सामाजिक परिवर्तन के लिए निरंतर कार्यरत सुहिणी सोच संस्था का विस्तार अब जगदलपुर, तिल्दा, राजिम एवं धमतरी के बाद बेमेतरा में भी हुआ। संस्था की बेमेतरा इकाई का विधिवत गठन 5 अक्टूबर को शपथ ग्रहण समारोह के साथ किया गया। इस अवसर पर रायपुर की आरती मयानी को बेमेतरा इकाई की प्रभारी तथा बबीता रोहरा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत झुलेलाल जी की आरती के साथ हुई। इसके



पश्चात झुलेलाल चालिये का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं एवं बच्चों द्वारा नृत्य तथा छेज की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। बच्चों को झुलेलाल जी के स्वरूप में सजाया गया, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सिंधी संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़े इस आयोजन ने

उपस्थित सभी लोगों को भावविभोर कर दिया। इसके पश्चात बबीता रोहरा ने अध्यक्ष पद की तथा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अपने-अपने दायित्वों की शपथ ग्रहण की। बबीता रोहरा समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं तथा राजनीति से भी जुड़ी हुई हैं। समारोह में शहर के अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत दौरा

रायपुर। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत 4 दिन के प्रवास पर 6 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। वे 7 अक्टूबर से तीन दिन के बस्तर प्रवास पर रहेंगे। कल कांकेर में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' मार्च में भाग लेंगे तथा वे जगदलपुर, दत्तेवाड़ा भी जायेंगे, दत्तेश्वरी माई के दर्शन कर आर्शिवाद भी लेंगे तथा वहां विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत दत्तेवाड़ा से हितालकुंडुम सातधार जायेंगे, वहां पर बोधघाट परियोजना के प्रभावितों से मुलाकात करेंगे तथा 9 अक्टूबर को वे जगदलपुर में जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल होंगे तथा उसी दिन रात को वापस आकर रायपुर से 9 बजे दिल्ली रवाना होंगे।



नगर पालिका जामुल क्षेत्र में विकास कार्य अनवरत रूप में जारी

जामुल (विश्व परिवार)। नगर पालिका जामुल क्षेत्र में विकास कार्य अनवरत रूप में जारी है। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत वाई क्र. 17 में लगभग 96 लाख रुपये के लागत से कचड़ा प्रबंधन हेतु प्लांट स्थापित होगा। नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया की हमारे नगर पालिका जामुल क्षेत्र में चाहे केन्द्र सरकार योजना हो या राज्य सरकार की प्रत्येक योजना को क्रियावित करने नगर पालिका जामुल को प्राथमिकता दिया जाता है। जिसमें परिणाम स्वरूप आज हम सब इसे बड़े योजना के कार्य का भूमिपूजन कर रहे हैं। नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि डोर-टू-डोर क्लेक्शन से आने वाले सूबा नये गोले कचरा का निष्पादन इस नये बनने वाले संयंत्र में होगा। हमने भविष्य को ध्यान में रखते हुए एवं जामुल की बढ़ती आबादी को पर्याप्त सुविधा देने के लिये इस प्रकार के कार्य के लिए प्रस्ताव



बनाकर शासन को भेजा था। जिसे हमारे डबल इंजन की सरकार ने स्वीकृति दिया और 96 लाख रुपये संयंत्र स्थापना के लिए राशि प्रदान कर दिया है। जिससे शीघ्र ही यह कार्य प्रारंभ होगा। मैं आप को सभी जनता जनार्दन को बताना चाहूंगा कि स्वच्छ भारत मिशन सिर्फ नीति नहीं है। बल्कि यह एक आंदोलन है। जो अनवरत चलेगा। जिससे हमारे पालिका जामुल साफ सुथरा एवं स्वच्छ होगा। जिसमें आप सभी नगर वासियों की सहभागिता होगी। मैं नगर के प्रथम नागरिक होने के नाते आप सभी नगर

वासियों से अपील करता हु कि अपने घरों के कचड़ा को हमारे स्वच्छता दीदी स्वच्छता मित्रों को दे। उसे नाली सड़क में ना फेंके। मैं आप सबसे यही सहयोग की अपेक्षा रखता हूं। भूमिपूजन के अवसर पर पार्षदण कविता विश्वाल, के राजू, उपअभियंता विनायक गर्ग, रामु देवांगन, बाली बर्मन, पीआईयू गौरव केशरवानी, तोरण साहू, सुपरवाइजर अनिता साहू, हेमिन साहू सहित पूरे स्वच्छता दीदी उपस्थित थे। भूमिपूजन कार्य पंडित राजेश्वर शर्मा द्वारा सम्पन्न कराया गया।

26 वीं राज्य स्तरीय स्पर्धा का हुआ रंगारंग समापन

■ स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के हाथों विजेता खिलाड़ी हुए सम्मानित

■ तीनों विधाओं मे रायपुर संभाग का दबदबा,बना ओवर ऑल चैम्पियन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान मे 3 से 6 अक्टूबर तक चार दिवसीय 26 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन हुआ। पांचो संभाग के खिलाड़ियों द्वारा बैंड की धुन पर आकर्षक मार्च पास्ट किया गया।मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने ध्वज अवरोहण कर प्रतियोगिता समापन की विधिवत घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विधा के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत व सम्मानित किया। स्पर्धा के तीनों विधाओं मे शानदार प्रदर्शन कर रायपुर जोन ओवर ऑल चैम्पियनशिप का खिताब हासिल किया। इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने बलौदाबाजार मे जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) खेलने की घोषणा की।



स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने पांचो संभाग से आए खिलाड़ियों को बेहतर खेल प्रदर्शन की बधाई देते हुए कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक विकास तो होता ही है इससे संस्कृति,खान-पान,रहन- सहन भी सीखी जा सकती है। इसीलिए हमने 22 जुलाई से 31 अक्टूबर तक चलने वाले राज्य स्तरीय शालेय खेल स्पर्धा का आयोजन संभाग मुख्यालय के अलावा जिलों मे भी करने का निर्णय लिया है। इससे बच्चों को अलग- अलग जिलों की संस्कृति को जानने का मौका

मिलेगा।उन्होंने कहा कि खेल मे हार और जीत होती है,हारने वाले को निराश और जीतने वाले को घमंड नहीं होना चाहिए। दोनों ही स्थिति मे और बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए।हार हमें कमियों को दूर करने का अवसर देता है। उन्होंने बताया कि कुराश खेल को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय खेल मे शामिल कराया है जो इस स्पर्धा के अंतर्गत बलौदाबाजार मे आयोजित हुआ है।सभी खिलाडी यहां से अच्छा अनुभव और सीख लेकर वापस अपने जिलों मे जायेंगे।

जिला पंचायत अध्यक्ष आकांशा जायसवाल ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन अनुशासन मे रहकर किया है। यह खेल स्पर्धा आज भले ही समाप्त होगा लेकिन खिलाड़ियों का उत्साह जारी रहेगा। उन्होंने कहा पढ़ाई के साथ खेल-कूद से भी जिंदगी मे ऊँचे मुकाम हासिल कर सकते हैं। बेहतर खेल का प्रदर्शन कर अपने क्षेत्र जिला और प्रदेश का नाम रोशन करें।कार्यक्रम को कलेक्टर कुलदीप शर्मा एवं पूर्व विधायक डॉ.सनम जांजाड़े ने भी सम्बोधित किया।

विभिन्न विधाओं के खेल स्पर्धा का परिणाम

रबी 14 वर्ष बालक - रायपुर संभाग प्रथम, बस्तर द्वितीय एवं दुर्ग तृतीय स्थान,बालिका वर्ग में रायपुर संभाग प्रथम, बस्तर द्वितीय एवं दुर्ग तृतीय स्थान। नेटबॉल 19 वर्ष बालक में रायपुर संभाग प्रथम, बिलासपुर द्वितीय एवं दुर्ग तृतीय स्थान नेटबॉल 19 वर्ष बालिका में रायपुर संभाग प्रथम, बिलासपुर द्वितीय एवं दुर्ग तृतीय स्थान।

■ जल स्रोत, पाइपलाइन, स्टैंड पोस्ट और जल जांच की प्रक्रिया की दी जानकारी

जगदलपुर (विश्व परिवार)। ग्रामीण ईलाके में जल जीवन मिशन के माध्यम से स्थापित पेयजल स्त्रोतों के बारे में समझने और जल संरक्षण एवं स्वच्छ पेयजल के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जगदलपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बिलोरी-दो स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला पोड़ागुड़ा के स्कूली बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान बच्चों को गांव में जल जीवन मिशन के तहत किए गए विभिन्न कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया और



जलापूर्ति व्यवस्था की जानकारी दी गई। सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत आयोजित इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान बच्चों को जला गुष्ट, जल स्रोत, पाइपलाइन, स्टैंड पोस्ट एवं वाल्व सहित जलापूर्ति व्यवस्था के विभिन्न घटकों की महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। बच्चों को समझाया गया कि गांवों में घर-घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने में जल जीवन मिशन की विभिन्न संरचनाएं किस प्रकार

महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मैदानी अमले ने बच्चों को जल जांच की प्रक्रिया की जानकारी भी दी। उन्हें बताया गया कि पेयजल की गुणवत्ता की जांच करना क्यों जरूरी है और दूषित पानी के उपयोग से होने वाली समस्याओं से बचने के लिए शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल का उपयोग कितना महत्वपूर्ण है।



सौर ऊर्जा से सशक्त छत्तीसगढ़



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़



प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना



95,000+
घर सौर ऊर्जा
से रोशन



310 मेगावाट
अतिरिक्त सोलर बिजली
क्षमता राज्य में स्थापित



₹525 करोड़+
की सब्सिडी सीधे
हितग्राहियों तक

घर की छत पर 3 मेगावाट तक के सौर ऊर्जा
संयंत्र स्थापित करने पर केंद्र और राज्य
सरकार की डबल सब्सिडी का लाभ



अधिक जानकारी के लिए
QR कोड स्कैन करें



घरेलू उपयोग से बची अतिरिक्त बिजली ग्रिड के
माध्यम से बेचने की सुविधा, बचत के साथ
अतिरिक्त आर्थिक लाभ

हमसे जुड़ने के लिए



QR स्कैन करें



f /ChhattisgarhCMO
f /DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

सुशासन से समृद्धि की ओर